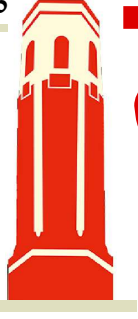


- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 261
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00



दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कैबिनेट के 13 प्रस्तावों पर लगी मुहर

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज हरिद्वार में आयोजित प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में विकास से जुड़े 13 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में कुंभ मेला-2027 की तैयारियों, स्वास्थ्य, आवास और विकास योजनाओं सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

कैबिनेट बैठक के बाद सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने मीडिया को फैंसलों की जानकारी देते हुए बताया कि बैठक का प्रमुख निर्णय हरिद्वार के ऋषिकुल मैदान में प्राच्य शोध संस्थान की स्थापना से जुड़ा रहा। इस संस्थान के माध्यम से भारतीय योग, ध्यान, ज्योतिष और आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। संस्थान का संचालन सोसायटी मोड में किया जाएगा। इसके लिए समिति गठित करने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हरिद्वार में कैबिनेट बैठक आयोजित करने का उद्देश्य जनता से जुड़े फैसले जनता के बीच जाकर लेना है। उन्होंने कहा कि सभी मंत्रियों की भी यही सामूहिक सोच है कि सरकार की निर्णय प्रक्रिया को जनसामान्य के और करीब लाया जाए। बैठक में केंद्र सरकार की ओर से उत्तराखंड को दी गई विकास योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



ऋषिकुल में बनेगा प्राच्य शोध संस्थान

का आभार भी व्यक्त किया गया। कैबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सदस्यों ने हरकी पैड़ी पर मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के अवसर पर किया गया।

मुख्यमंत्री ने मां गंगा से प्रधानमंत्री के स्वस्थ, सुखमय और दीर्घायु जीवन की कामना की। साथ ही देश की निरंतर प्रगति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए भी प्रार्थना की। बैठक में कुंभ मेला-2027 की तैयारियों और प्रदेश के विकास से संबंधित विषयों पर भी चर्चा हुई। आगामी

विधानसभा सत्र गैरसैंण अथवा किसी अन्य स्थान पर आयोजित किए जाने से संबंधित प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। कैबिनेट के सभी 13 प्रस्तावों को मंजूरी मिलने के बाद सरकार ने विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने और जनहित से जुड़े निर्णयों पर जोर दिया।

बता दें कि मुख्यमंत्री ने हर जिले में कैबिनेट बैठक करने का निर्णय लिया है। इसकी शुरुआत चंपावत जिले से हो चुकी है। अब दूसरी कैबिनेट बैठक हरिद्वार में हुई है। वहीं सरकार को आगामी विधानसभा सत्र 30 अक्टूबर से पहले आहूत करना है।

अब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं!

संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी आंदोलन के बीच गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन आयोजित करने के लिए निर्धारित स्थलों में बदलाव किया है। पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार की ओर से जारी स्टैंडिंग ऑर्डर के मुताबिक, जंतरमंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिसूचित व्यवस्था से हटा दिया गया है इसके स्थान पर दिल्ली में तीन नए स्थल निर्धारित किए गए हैं रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी ग्राउंड। दिल्ली के प्रमुख सार्वजनिक मैदानों में शामिल रामलीला मैदान को प्रदर्शन के लिए नए निर्धारित स्थलों में शामिल किया गया है। यहां धरना, विरोध-प्रदर्शन या अन्य सार्वजनिक आयोजन करने की प्रक्रिया अलग से जारी होने वाली एसओपी के तहत स्पष्ट होगी।



बुराड़ी ग्राउंड को भी प्रदर्शन के लिए निर्धारित नए स्थानों में शामिल किया गया है। यहां प्रदर्शन आयोजित करने के लिए लागू होने वाली शर्तों, अनुमति की प्रक्रिया और अन्य व्यवस्थाओं का विवरण अलग दिशानिर्देशों में आने की बात कही गई है। पूर्वी दिल्ली स्थित सीबीडी ग्राउंड को तीसरे वैकल्पिक प्रदर्शन स्थल के तौर पर नामित किया गया है। इस फैसले से प्रदर्शन आयोजित करने के लिए राजधानी में एक

और निर्धारित स्थान उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

यह आदेश गृह मंत्रालय की ओर से

रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड में कर सकेगे विरोध प्रदर्शन

गठित समिति की सिफारिशों के आधार पर जारी किया गया है। समिति को नागरिकों के विरोधप्रदर्शन और प्रदर्शन आयोजित

करने के अधिकार के लिए मौजूदा निर्धारित स्थल के विकल्प तलाशने की जिम्मेदारी दी गई थी। अब समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रदर्शन के लिए तीन वैकल्पिक स्थानों को निर्धारित किया गया है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदर्शनों के लिए जगह निर्धारित करने को कहा था। दिल्ली पुलिस के आदेश के पहले पैराग्राफ में बताया गया है कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने नागरिकों के विरोधप्रदर्शन आयोजित करने के लिए वैकल्पिक जगहों की पहचान करने के उद्देश्य से एक समिति गठित की थी। समिति को मौजूदा निर्धारित स्थल के विकल्पों की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, ताकि नागरिकों को प्रदर्शन आयोजित करने के लिए दूसरे स्थान उपलब्ध कराए जा सकें। समिति की सिफारिशों के आधार पर अब जंतरमंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिसूचित

सूची से हटाने और तीन नए स्थान निर्धारित करने की बात कही गई है। आदेश में इसे समिति की सिफारिशों पर आधारित फैसला बताया गया है।

जंतरमंतर 1993 में दिल्ली में धरनाप्रदर्शन का निर्धारित स्थल बना था। दरअसल, 1988 में किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में किसानों ने दिल्ली के बोट क्लब क्षेत्र में बड़ा आंदोलन किया। ये खबर आप जस्ट अभी में पढ़ रहे हैं। इसके बाद वहां प्रदर्शनों पर पाबंदियां सख्त की गईं। बोट क्लब पर प्रतिबंधों के बाद 1993 में जंतरमंतर रोड विरोधप्रदर्शनों का प्रमुख स्थल बन गया। हालांकि, इसकी शुरुआत किसी औपचारिक सरकारी घोषणा के बजाय प्रशासनिक व्यवस्था के तहत हुई थी। 2011 में अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने जंतरमंतर को देशभर में पहचान दिलाई।

दून वैली मेल

संपादकीय

जेब पर दोहरी मार

महंगाई की मार झेल रहे आम आदमी के लिए पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी किसी नए आर्थिक संकट से कम नहीं है। पेट्रोल पांच रुपये महंगा होने और डीजल के दामों में उछाल का असर केवल वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका सीधा संबंध रसोई के बजट, बाजार में बिकने वाली वस्तुओं की कीमतों, खेती की लागत और आम नागरिक की रोजमर्रा की ज़िंदगी से है। ईंधन महंगा होता है तो परिवहन महंगा होता है, परिवहन महंगा होता है तो जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का दबाव बनता है। इस तरह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी महंगाई की उस श्रृंखला को गति दे सकती है, जिसका सबसे अधिक बोझ पहले से सीमित आय में गुजारा करने वाले परिवारों पर पड़ता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि महंगाई के इस दबाव से आम आदमी को राहत कैसे मिलेगी? सरकारें विकास, निवेश और आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करती हैं, लेकिन आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी है, जब उसका लाभ आम नागरिक की ज़िंदगी में दिखाई दे। यदि आय में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही और दूसरी ओर रोजमर्रा की जरूरतें लगातार महंगी हो रही हैं, तो विकास के दावों और आम आदमी की आर्थिक स्थिति के बीच अंतर बढ़ना स्वाभाविक है। पेट्रोल और डीजल केवल ईंधन नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की रफ्तार तय करने वाले प्रमुख कारक हैं। बसों, ट्रकों, मालवाहक वाहनों और कृषि कार्यों में डीजल की महत्वपूर्ण भूमिका है। डीजल महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ने की आशंका रहती है। इसका असर सब्जियों, फलों, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर पड़ सकता है। किसान पहले ही बीज, खाद, कीटनाशक और मजदूरी जैसी लागतों का सामना करते हैं। ऐसे में डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी उनकी उत्पादन लागत को और बढ़ा सकती है। यदि बढ़ी हुई लागत का उचित मूल्य किसान को नहीं मिलता, तो नुकसान खेती करने वाले को उठाना पड़ता है। दूसरी ओर, लागत का बोझ उपभोक्ता तक पहुंचता है तो घर का बजट बिगड़ता है। इस पूरे समीकरण में सबसे कमजोर स्थिति उस मध्यमवर्गीय परिवार की है, जिसकी आमदनी का बड़ा हिस्सा मकान का किराया, बच्चों की शिक्षा, इलाज, बिजली-पानी और परिवहन पर खर्च हो जाता है। उसके पास महंगाई से निपटने के विकल्प सीमित हैं। निजी वाहन से कार्यालय जाने वाला कर्मचारी ईंधन का खर्च घटाने के लिए अपनी आवाजाही सीमित कर सकता है, लेकिन आवश्यक यात्राएं तो करनी ही पड़ती हैं। इसी तरह छोटे कारोबारी और परिवहन संचालक बढ़ी हुई लागत को लंबे समय तक स्वयं वहन नहीं कर सकते। अंततः इसका कुछ हिस्सा वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में जुड़ने की आशंका रहती है। सरकार के सामने भी चुनौती कम नहीं है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों का संबंध अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों, रुपये की विनिमय दर, करों और अन्य लागतों से होता है। इसलिए हर मूल्यवृद्धि का कारण एक ही नहीं माना जा सकता। लेकिन यही कारण है कि सरकार की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उसे कीमतों में बढ़ोतरी के कारणों को पारदर्शी ढंग से सामने रखना चाहिए और यह स्पष्ट करना चाहिए कि उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त बोझ को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को अपने-अपने करों की समीक्षा करने, सार्वजनिक परिवहन को किफायती बनाने और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर निगरानी मजबूत करने जैसे विकल्पों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह भी जरूरी है कि ईंधन की कीमतों को केवल राजस्व जुटाने के साधन के रूप में न देखा जाए। पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले कर सरकारों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत हैं, लेकिन इस आय और नागरिकों की क्रयशक्ति के बीच संतुलन बनाए रखना भी शासन की जिम्मेदारी है। जब महंगाई बढ़ती है, तो कम आय वाले परिवार अपनी जरूरतों में कटौती करने को मजबूर होते हैं। इसका असर बाजार की मांग, छोटे कारोबार और आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। इसलिए कीमतों में राहत देना केवल राजनीतिक लोकप्रियता का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक संतुलन बनाए रखने का भी विषय है। हालांकि, राहत के नाम पर केवल अस्थायी घोषणाएं पर्याप्त नहीं होंगी। जरूरत ऐसी नीति की है, जो ईंधन की कीमतों में अनावश्यक उतार-चढ़ाव का दबाव कम करे, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाए और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा दे। दीर्घकाल में तेल पर अत्यधिक निर्भरता कम करना भी जरूरी है। लेकिन इन उपायों के परिणाम आने में समय लगेगा। फिलहाल सवाल उस परिवार का है, जिसे आज अपनी आमदनी में ही महीने का पूरा खर्च निकालना है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की सफलता का आकलन केवल बड़ी परियोजनाओं और आर्थिक आंकड़ों से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना होगा कि आम नागरिक की जेब में कितना पैसा बच रहा है और उसकी बुनियादी जरूरतें कितनी आसानी से पूरी हो रही हैं। पेट्रोल पांच रुपये महंगा होने और डीजल के दाम बढ़ने की खबर इसलिए महज मूल्यवृद्धि की सूचना नहीं है, बल्कि यह सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं और जनकल्याण के दावों की परीक्षा भी है। महंगाई का बोझ जब बार-बार आम आदमी पर पड़ता है, तो उसका भरोसा भी प्रभावित होता है। ऐसे में सरकार को केवल बाजार की परिस्थितियों का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बचना चाहिए। जरूरी है कि मूल्यवृद्धि के कारणों की स्पष्ट जानकारी दी जाए, करों और राहत के विकल्पों की समीक्षा हो तथा महंगाई की दूसरी लहर को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। आखिर अर्थव्यवस्था का उद्देश्य केवल आंकड़ों को बेहतर दिखाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना है। यदि ईंधन महंगा होने से आम आदमी की थाली, यात्रा और आजीविका पर संकट बढ़ता है, तो राहत की जिम्मेदारी भी उतनी ही गंभीरता से निभानी होगी।

राहुल के बयान पर आर-पार के मूड में भाजपा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को लेकर राहुल गांधी की कथित टिप्पणी ने राजनीतिक विवाद को हवा दे दी है। भाजपा ने इस टिप्पणी को देश की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पद की गरिमा के खिलाफ बताते हुए इसे देशविरोधी कृत्य करार दिया है। इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ दल और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव बढ़ने के आसार हैं। भाजपा ने राहुल गांधी की भाषा और राजनीतिक आचरण पर सवाल उठाते हुए कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर जिम्मेदार नेताओं को संयम और गंभीरता का परिचय देना चाहिए।

भाजपा का तर्क है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद देश की सुरक्षा नीति, रणनीतिक चुनौतियों और महत्वपूर्ण सुरक्षा मामलों से जुड़ा है। ऐसे पद पर आसीन व्यक्ति को लेकर सार्वजनिक मंच से की गई टिप्पणी केवल किसी व्यक्ति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उससे संबंधित संस्था की गरिमा पर भी सवाल उठ सकते हैं। पार्टी का कहना है कि विपक्ष के नेता को सरकार की नीतियों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन आलोचना और व्यक्तिगत अपमान के बीच अंतर बनाए रखना भी जरूरी है।

भाजपा की आपत्ति राहुल गांधी की टिप्पणी के राजनीतिक संदेश को लेकर है। पार्टी का मानना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर राजनीतिक मतभेदों को इस तरह व्यक्त नहीं किया जाना चाहिए, जिससे संवेदनशील संस्थाओं के प्रति

अविश्वास का माहौल बने। भाजपा ने कांग्रेस नेतृत्व से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि ऐसी भाषा का इस्तेमाल किस राजनीतिक उद्देश्य से किया गया। सत्तारूढ़ दल इस मुद्दे को केवल बयानबाजी का विवाद नहीं, बल्कि विपक्ष की राजनीतिक जिम्मेदारी से जोड़कर देख रहा है। भाजपा की रणनीति यह संदेश देने की हो सकती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के सवाल पर राजनीतिक दलों को

◆राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर धिरी कांग्रेस, भाजपा ने आचरण पर सवाल
◆राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी पर भाजपा का हमला
◆कांग्रेस नेता के बयान को देश की सुरक्षा-संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान पर सवाल

एक न्यूनतम मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। हालांकि, किसी टिप्पणी को देशविरोधी कृत्य बताना एक राजनीतिक आरोप है। उसकी गंभीरता का आकलन वास्तविक शब्दों, संदर्भ और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

भारत जैसे देश में राष्ट्रीय सुरक्षा हमेशा महत्वपूर्ण राजनीतिक विषय रही है। सीमा सुरक्षा, आतंकवाद, खुफिया तंत्र और रणनीतिक नीति से जुड़े मुद्दों पर सरकार और विपक्ष के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सरकार से जवाब मांगना और उसकी नीतियों की समीक्षा करना भी है। लेकिन इस बहस का दूसरा पहलू भी है। सार्वजनिक जीवन में भाषा की मर्यादा और तथ्यों की जिम्मेदारी सभी राजनीतिक दलों पर लागू होती है। सरकार की आलोचना

को देश के विरोध के समान नहीं माना जा सकता, उसी तरह राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर हर राजनीतिक टिप्पणी को बिना संदर्भ जांचे उचित या अनुचित ठहराना भी लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर कर सकता है।

भाजपा के हमले के बाद कांग्रेस के सामने राहुल गांधी की टिप्पणी का संदर्भ स्पष्ट करने और अपने राजनीतिक रुख को सामने रखने की चुनौती है। पार्टी इस विवाद को विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश बताती है या टिप्पणी के शब्दों और संदर्भ पर स्पष्टीकरण देती है, इससे आगे की राजनीतिक बहस की दिशा प्रभावित हो सकती है। वहीं भाजपा इस मुद्दे के जरिए कांग्रेस को राष्ट्रीय सुरक्षा के सवाल पर घेरने की कोशिश करेगी। आगामी चुनावी माहौल में इस तरह के विवाद राजनीतिक विमर्श को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन मतदाताओं के लिए रोजगार, महंगाई, विकास और सुरक्षा जैसे ठोस मुद्दे भी उतने ही महत्वपूर्ण रहेंगे।

फिलहाल इस विवाद का केंद्र राहुल गांधी की टिप्पणी और उस पर भाजपा की तीखी प्रतिक्रिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर राजनीतिक दलों के बीच बहस होना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी बयान को देशविरोधी करार देने से पहले उसके सटीक शब्दों और संदर्भ की पुष्टि जरूरी है। राजनीतिक आरोप अपनी जगह हैं, मगर तथ्य और जवाबदेही ही इस बहस की विश्वसनीयता तय करेंगे।

‘चुनावी मोर्चे’ पर भाजपा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2०27 के विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर भाजपा ने संगठनात्मक गतिविधियों को धार देना शुरू कर दिया है। लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी के लक्ष्य के साथ पार्टी अब चुनावी रणनीति को जमीनी स्तर पर उतारने की तैयारी में जुटी है। इसी क्रम में काशीपुर में नवनिर्वाचित विधानसभा विस्तारकों और प्रभारियों की कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें राष्ट्रीय महामंत्री संगठन और प्रदेश प्रभारी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। अलग-अलग सत्रों में संगठनात्मक मजबूती, राजनीतिक परिस्थितियों, चुनावी रणनीति और चुनावी संरचना को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उत्तराखंड में भाजपा के सामने 2०27 में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की चुनौती है। पार्टी के लिए यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि सत्ता में बने रहने के लिए उसे अपने परंपरागत समर्थन आधार को मजबूत रखने के साथ नए मतदाताओं और असंतुष्ट वर्गों के बीच भी भरोसा कायम करना होगा। काशीपुर की कार्यशाला इसी व्यापक तैयारी का हिस्सा है। अलग-अलग सत्रों में दिए जाने वाले प्रशिक्षण के माध्यम से संगठनात्मक जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने, चुनावी परिस्थितियों का आकलन करने और विधानसभा स्तर पर रणनीति को प्रभावी बनाने पर जोर रहने की संभावना है। पार्टी की कोशिश होगी कि विस्तारक और प्रभारी केवल निर्धारित जिम्मेदारियों

का निर्वहन करने वाले पदाधिकारी न रहें, बल्कि क्षेत्र की राजनीतिक नब्ज समझते हुए संगठन को लगातार सक्रिय रखने में भी भूमिका निभाएं।

चुनाव में जीत का रास्ता बूथों से होकर गुजरता है। भाजपा की संगठनात्मक रणनीति में बूथ प्रबंधन, शक्ति केंद्रों की सक्रियता और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। ऐसे में विधानसभा विस्तारकों और प्रभारियों को

◆विधानसभा विस्तारकों और प्रभारियों की होगी कार्यशाला
◆राष्ट्रीय महामंत्री संगठन व प्रदेश प्रभारी देंगे जीत का मंत्र
◆संगठन, रणनीति और चुनावी प्रबंधन पर होगा गहन मंथन

प्रशिक्षण देने की पहल का उद्देश्य चुनावी तैयारियों को अधिक व्यवस्थित बनाना है। विधानसभा स्तर पर संगठन की स्थिति, स्थानीय नेतृत्व की सक्रियता, मतदाताओं के साथ संवाद और क्षेत्रीय मुद्दों की जानकारी चुनावी रणनीति के अहम हिस्से होंगे। यदि पार्टी का संगठन इन मोर्चों पर प्रभावी ढंग से काम करता है, तो उसे चुनाव के समय अपनी रणनीति लागू करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, प्रशिक्षण का वास्तविक परिणाम इस बात से तय होगा कि कार्यशाला में तय दिशा-निर्देश जमीन पर किस हद तक लागू किए जाते हैं।

भाजपा के लिए चुनावी तैयारी का अर्थ केवल संगठन को सक्रिय करना नहीं होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली

सरकार के कामकाज को लेकर जनता की प्रतिक्रिया भी आगामी चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रोजगार, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं जैसे मुद्दों पर मतदाताओं की अपेक्षाएं बनी हुई हैं। ऐसे में पार्टी के विस्तारकों और प्रभारियों के लिए स्थानीय स्तर पर जनता के सवालों और राजनीतिक माहौल को समझना जरूरी होगा। संगठन यदि केवल सरकार की उपलब्धियों का प्रचार करता है और जनता की शिकायतों को नजरअंदाज करता है, तो चुनावी रणनीति की प्रभावशीलता सीमित रह सकती है। इसके उलट, स्थानीय समस्याओं की पहचान कर उन्हें संबंधित नेतृत्व तक पहुंचाना पार्टी के जनसंपर्क अभियान को मजबूती दे सकता है।

भाजपा की सक्रियता का असर विपक्ष की चुनावी तैयारियों पर भी पड़ सकता है। सत्तारूढ़ दल यदि समय रहते विधानसभा स्तर पर अपनी टीमों को सक्रिय कर लेता है, तो कांग्रेस के लिए राजनीतिक मुकाबले में प्रभावी चुनौती खड़ी करना और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा। विपक्ष को भी अपने संगठन, उम्मीदवारों और स्थानीय मुद्दों पर स्पष्ट रणनीति बनानी होगी। हालांकि, केवल कार्यशालाओं और संगठनात्मक बैठकों के आधार पर चुनावी नतीजों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। चुनाव में सरकार का प्रदर्शन, उम्मीदवारों की छवि, स्थानीय समीकरण और विपक्ष की रणनीति जैसे कई कारक निर्णायक होते हैं।

►► शेष पृष्ठ 7 पर

विश्व डाक दिवस पर अल्मोड़ा डाक मंडल में 15 अक्टूबर तक मनाया जाएगा डाक सप्ताह

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विश्व डाक दिवस के अवसर पर भारतीय डाक विभाग की ओर से 9 से 15 अक्टूबर तक डाक सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान अल्मोड़ा डाक मंडल में जनजागरूकता और ग्राहक-केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनके माध्यम से लोगों को डाक सेवाओं, बचत योजनाओं, बीमा योजनाओं और अन्य जनोपयोगी सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। डाक सप्ताह के दौरान सभी डाकघरों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता, आधार शिविर और डाक चौपालें लगाई जाएंगी। डाक चौपालों के माध्यम से आमजन को डाक विभाग की विभिन्न सेवाओं और योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। विभाग की ओर से ग्राहकों के साथ गोष्ठियां भी आयोजित की जाएंगी। इनमें ग्राहकों के सुझावों, जरूरतों और समस्याओं पर चर्चा कर सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया जाएगा। वहीं, आधार शिविरों के माध्यम से लोगों को स्थानीय स्तर पर आधार संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

गांव को आत्मनिर्भर बनाने के लिए करें कार्य

पिथौरागढ़(आरएनएस)। त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विण ब्लॉक में कार्यक्रम का शुभारंभ मेयर कल्पना देवलाल, जिला पंचायत राज अधिकारी हरीश आर्या और खंड विकास अधिकारी राजेंद्र अवस्थी ने दीप प्रज्वलित कर किया। बास्ते की जिला पंचायत सदस्य भावना लोहिया ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रयास करने चाहिए, उन्होंने पंचायत स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। हिमालय अध्ययन केंद्र के डॉ. दिनेश जोशी ने जनप्रतिनिधियों को ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के विभिन्न उपायों की जानकारी दी।डीपीआरओ हरीश आर्या ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन एडीओ पंचायत दीपक कुमार ने किया।

एसएसबी अल्मोड़ा ने निकाली साइबर जागरूकता रैली

अल्मोड़ा(आरएनएस)। साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के क्षेत्रक मुख्यालय अल्मोड़ा की ओर से साइबर जागरूकता रैली निकाली गई। उप-महानिरीक्षक सुधांशु नौटियाल के मार्गदर्शन में आयोजित रैली क्षेत्रक मुख्यालय से एनटीडी बाजार होते हुए कसार देवी मोड़ तक गई और वहां से वापस मुख्यालय पहुंची। साइबर जागरूकता माह के तहत आयोजित इस रैली का उद्देश्य लोगों को साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना था। इसके बाद क्षेत्रक मुख्यालय परिसर में साइबर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में उप-कमांडेंट रविनन्द झा ने जवानों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, साइबर ठगी, ओटीपी और बैंकिंग संबंधी धोखाधड़ी, फिशिंग लिंक तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने और अपना ओटीपी या बैंकिंग विवरण किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी। साथ ही साइबर अपराध होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 193० पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी तपन कुमार दास, उप-कमांडेंट रविनन्द झा, सहायक कमांडेंट राजकुमार सहित अधीनस्थ अधिकारी और अन्य जवान मौजूद रहे।

निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर में 1278 मरीजों ने कराई जांच

रुड़की(आरएनएस)। आरोग्यम अस्पताल भवनपुर और श्री हरमिलाप दुर्गा मंदिर, साकेत कॉलोनी के संयुक्त सहयोग से हरमिलाप धर्मशाला में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 1278 मरीजों ने पहुंचकर विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया और अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान मरीजों को निःशुल्क जांच, चिकित्सकीय परामर्श और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में आरोग्यम अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच कर उन्हें उचित उपचार और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी सलाह दी। शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ. आशुतोष स्वार्कर, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. पृथाबेन देवेन्द्र कुमार वर्मा, ईएनटी सर्जन डॉ. दीप्ति डोगरा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सावन चुग, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. वर्तिका वात्स, छाती एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉ. कुनाल कुमार, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. पारुल शर्मा तथा हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. अधिश प्रताप सिंह ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों की सहभागिता ने निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत को रेखांकित किया। विभिन्न रोगों के विशेषज्ञों की उपलब्धता से मरीजों को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य जांच और परामर्श की सुविधा मिली।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

चुनावी बिगुल से पहले भाजपा की बड़ी ‘रफ्तार’

कार्यालय संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले ही भारतीय जनता पार्टी ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। संगठनात्मक बैठकों से लेकर सरकार के कामकाज के प्रचार और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तक, पार्टी का जोर चुनावी तैयारी को समय रहते धार देने पर है। वर्ष 2०27 के विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की भाजपा की रणनीति अब राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में है। पार्टी नेतृत्व की ओर से 6० पार का लक्ष्य सामने रखे जाने के बीच संगठन और सरकार के सामने इस नारे को जमीनी समर्थन में बदलने की चुनौती भी है। भाजपा की रणनीति केवल चुनाव के नजदीक आने पर प्रचार अभियान शुरू करने तक सीमित नहीं दिखती। पार्टी संगठन को सक्रिय रखने, केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने, बूथ प्रबंधन मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बढ़ाने पर जोर दे रही है। पार्टी के लिए यह तैयारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उत्तराखंड में सत्ता परिवर्तन की परंपरा को तोड़कर लगातार दो विधानसभा चुनाव जीतने के बाद अब तीसरी जीत का लक्ष्य उसके सामने है। भाजपा नेतृत्व की ओर से 2०27 के चुनाव में 6० से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य पार्टी की चुनावी महत्वाकांक्षा को तो जाहिर करता है, लेकिन इसके साथ ही संगठन के सामने बड़ी जिम्मेदारी भी खड़ी करता है। 7० सदस्यीय विधानसभा में इतनी बड़ी संख्या में सीटें हासिल करने के लिए पार्टी को अपने मौजूदा जनाधार को बनाए रखने के साथ उन क्षेत्रों में भी समर्थन बढ़ाना होगा, जहां स्थानीय असंतोष, विकास संबंधी शिकायतें या राजनीतिक प्रतिस्पर्धा उसके लिए चुनौती बन सकती हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा सरकार अपने कार्यकाल के फैसलों, विकास योजनाओं और केंद्र सरकार के सहयोग को चुनावी विमर्श का 15० लोगों ने उठाया स्वास्थ्य शिविर का लाभ ऋषिकेश(आरएनएस)। ग्राफिक एरा अस्पताल देहरादून की टीम और यमकेश्वर ब्लॉक के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 15० लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। यमकेश्वर ब्लॉक की ग्रामसभा गैण्ड में आयोजित शिविर का शुभारंभ पूर्व प्रदेश संयोजक नमामि गंगे संजीव चौहान ने किया। शिविर में ग्राफिक एरा अस्पताल, देहरादून की टीम ने स्वास्थ्य सेवाएं दीं। इस दौरान करीब 15० लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। मौके पर ज्येष्ठ प्रमुख स्वाति रावत, कनिष्ठ प्रमुख धर्मेन्द्र रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य गैण्ड शिशपाल नेगी, ग्राम प्रधान गैण्ड शिवानी नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य बिनक आशीष खंडवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य बुंगा उपेन्द्र सिंह, उपप्रधान गैण्ड योगेश्वर दत्त, पूर्व प्रधान गैण्ड राजेंद्र बिष्ट, प्रधान प्रतिनिधि नांद अनूप चौहान आदि उपस्थित रहे।



◆संगठन, सरकार और चुनावी रणनीति पर फोकस, 6० पार के लक्ष्य के साथ तीसरी जीत की तैयारी

हिस्सा बनाने की तैयारी में है। वहीं प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और संगठन के अन्य पदाधिकारियों की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने तथा पार्टी की रणनीति को बूथ स्तर तक पहुंचाने की है। चुनावी तैयारियों में भाजपा का परंपरागत संगठनात्मक ढांचा अहम भूमिका निभाने वाला है। शक्ति केंद्रों, बूथ समितियों और स्थानीय कार्यकर्ताओं के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश पार्टी की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संगठन के स्तर पर बैठकों, जिम्मेदारियों के निर्धारण और सरकार के कार्यक्रमों को जनता के बीच ले जाने की गतिविधियों से पार्टी चुनावी माहौल तैयार करना चाहती है। भाजपा के लिए चुनौती यह भी है कि संगठन की सक्रियता केवल बैठकों और कार्यक्रमों तक सीमित न रहे। बेरोजगारी, भर्ती प्रक्रियाओं, पलायन, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों जैसे मुद्दों पर जनता के सवालों का जवाब देना भी चुनावी तैयारी का हिस्सा होगा। इन विषयों पर विपक्ष लगातार सरकार को घेरता रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस भाजपा की चुनावी तैयारियों के बीच अपने संगठन को एकजुट करने और सरकार के खिलाफ मुद्दों को धार देने की कोशिश में है। कांग्रेस के सामने नेतृत्व, आपसी समन्वय और प्रदेशव्यापी अभियान को प्रभावी बनाने की चुनौती है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बने हुए हैं। भाजपा जहां एसआईआर को मतदाता सूची दुरुस्त करने की प्रक्रिया बता रही है, वहीं कांग्रेस ने नामों में कमी को लेकर पत्थरों में छिपा सदियों पुराना इंजीनियरिंग का राज, सुनारा गांव में स्थित संरचना के संरक्षण की मांग उत्तरकाशी(आरएनएस)। बड़े-बड़े पत्थर, न सीमेंट, न लोहे की छड़ें और न ही आधुनिक मशीनें... फिर भी पत्थरों को एक-दूसरे के ऊपर इस तरह संतुलित कर तैयार की गई संरचना आज भी सुनारा गांव में मौजूद है। सदियों पुरानी मानी जा रही यह अनोखी पत्थर संरचना स्थानीय लोगों के लिए रहस्य और कौतूहल का विषय बना है। ग्रामीणों ने इसके संरक्षण के साथ ही इतिहास और निर्माण तकनीक का वैज्ञानिक अध्ययन कराने की मांग की है। गांव के एक छोर पर बने इस चबूतरे में अलग-अलग आकार और भारी वजन वाले पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। कई पत्थर इतने विशाल हैं कि उन्हें आज भी बिना साधन के एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना संभव नहीं है, ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर उस दौर में इन पत्थरों को यहां तक कैसे पहुंचाया गया होगा और किस तकनीक से एक-दूसरे के ऊपर व्यवस्थित किया गया होगा।

सवाल उठाए हैं। इस मुद्दे पर चुनावी राजनीति के साथ-साथ निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और पात्र मतदाताओं के नाम सूची में बने रहने का सवाल भी महत्वपूर्ण है। चुनावी तैयारी के बीच भाजपा के लिए सरकार की उपलब्धियों को सामने रखना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी जनता की नाराजगी और स्थानीय समस्याओं को समझना भी है। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के सवाल लंबे समय से राजनीतिक विमर्श का हिस्सा रहे हैं। सरकारी स्कूलों में घटते छात्र नामांकन, युवाओं के रोजगार और पलायन जैसे विषयों पर सरकार के दावों तथा जमीनी अनुभवों के बीच अंतर को विपक्ष चुनावी मुद्दा बना सकता है। ऐसे में भाजपा की रणनीति की असली परीक्षा प्रचार की गति से आगे बढ़कर जनता के बीच उसके संदेश की स्वीकार्यता में होगी। पार्टी के सामने अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने, स्थानीय असंतोष को संबोधित करने और सरकार के कामकाज का राजनीतिक लाभ लेने की चुनौती है। विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले राजनीतिक गतिविधियों में तेजी को भाजपा की समयपूर्व चुनावी तैयारी के रूप में देखा जा सकता है। पार्टी के लिए शुरुआती तैयारी का उद्देश्य संगठन को चुनावी मोड़ में रखना और विपक्ष से पहले अपना राजनीतिक एजेंडा स्थापित करना है। हालांकि, चुनावी लक्ष्य और वास्तविक जनसमर्थन के बीच की दूरी का आकलन जनता के मुद्दों, स्थानीय परिस्थितियों और चुनाव के दौरान बनने वाले राजनीतिक समीकरणों से ही होगा। उत्तराखंड की राजनीति में अब नजर इस बात पर रहेगी कि भाजपा अपनी संगठनात्मक सक्रियता को कितनी प्रभावी ढंग से जनसंपर्क में बदलती है और कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल उसके मुकाबले किस तरह अपनी रणनीति तैयार करते हैं। चुनाव की औपचारिक घोषणा में अभी समय हो, लेकिन राजनीतिक दलों के बीच तैयारी और मुद्दों को लेकर प्रतिस्पर्धा का दौर शुरू हो चुका है। पत्थरों में छिपा सदियों पुराना इंजीनियरिंग का राज, सुनारा गांव में स्थित संरचना के संरक्षण की मांग खास बात यह है कि गांव के बुजुर्गों के पास भी इसके निर्माण और उपयोग को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं है। बुजुर्गों के अनुसार यह संरचना सौ वर्ष से अधिक पुरानी है। इसकी बनावट और गांव के एक छोर पर इसकी स्थिति से अनुमान लगाया जा सकता है कि अतीत में इसका इस्तेमाल किसी विशेष उद्देश्य के लिए किया जाता रहा होगा, फिलहाल यह स्थान गांव के युवाओं के लिए खेलने और सेल्फी तक सीमित है। ग्रामीण सोबेन्द्र सिंह रावत के अनुसार, यह संरचना पूर्वजों की मेहनत, पारंपरिक ज्ञान और निर्माण कौशल की निशानी है। ग्रामीणों का कहना है कि समय के साथ ऐसी कई पुरानी संरचनाएं उपेक्षा के कारण खत्म हो रही हैं। यदि विशेषज्ञों से इसका इतिहास, निर्माण तकनीक और संभावित उपयोग दर्ज कराया जाए, तो सुनारा की यह संरचना क्षेत्र की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर के रूप में सामने आ सकती है।

रोजाना सुबह एक गिलास नींबू पानी पीने से मिल सकते हैं ये 5 प्रमुख फायदे

नींबू में विटामिन-सी के साथ एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन क्रिया को बेहतर करने से लेकर वजन कम करने तक में लाभदायक है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि नींबू का पानी भी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है? आइए जानते हैं कि रोजाना सुबह एक गिलास नींबू पानी पीने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

पाचन क्रिया को कर सकता है बेहतर : नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन क्रिया को बेहतर करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा नींबू के पानी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर में गैस्ट्रिक एंजाइम के उत्पादन को सुविधाजनक बनाकर पाचन क्रिया को सुचारू रखने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में आधे नींबू का रस निचोड़कर पिएं। इससे पाचन को बेहतर करने में मदद मिल सकती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकता है बढ़ावा : नींबू में भरपूर विटामिन-सी होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा नींबू में सूजन कम करने वाले और बैक्टीरिया को खत्म करने वाले गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में सहायक हैं। नींबू के पानी में विटामिन-सी की मात्रा बढ़ाने के लिए इसे बनाने के लिए ताजे और कसे हुए नींबू का उपयोग करें। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने में सहायक हो सकता है।

वजन को नियंत्रित करने में है कारगर : नींबू के पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स के साथ वजन घटाने वाले गुण मौजूद होते हैं, जो शरीर में चर्बी के संचय को रोककर मोटापे को कम करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही नींबू का पानी शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और पाचन क्रिया को बेहतर कर सकता है, जो वजन नियंत्रित करने में सहायक है। इससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

लिवर को साफ करने में है मददगार : नींबू का पानी लिवर को साफ करने में मदद कर सकता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करके लिवर को साफ करने में सहायक है। नींबू के पानी में एक ख़ास एसिड पाया जाता है, जो शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। यह लिवर को साफ करने में सहायक हो सकता है।

सांसें की बदबू कर सकता है दूर : नींबू के पानी में बैक्टीरिया को खत्म करने वाले गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया को खत्म करके सांसें की बदबू दूर करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा नींबू के पानी में मौजूद साइट्रिक एसिड लार के उत्पादन को बढ़ावा देकर दांतों पर प्लाक बनने से रोक सकता है। लाभ के लिए रोजाना सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में आधे नींबू का रस निचोड़कर पिएं। यह सांसें की बदबू दूर करने में सहायक हो सकता है।

स्यो बनाम क्रीम- गर्मियों के दौरान कौन-सी सनस्क्रीन करती है धूप से बेहतर बचाव ?

सनस्क्रीन का उपयोग सूरज की हानिकारक किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किया जाता है। यह विभिन्न रूपों में उपलब्ध है, जिनमें स्प्रे और क्रीम सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। गर्मियों में ज्यादातर लोग क्रीम सनस्क्रीन को प्राथमिकता देते हैं, वहीं कुछ लोगों को स्प्रे वाला विकल्प समझ आता है। आइए जानते हैं कि गर्मियों के लिए कौन-सी सनस्क्रीन धूप से बेहतर बचाव कर सकती है और त्वचा की देखभाल में मदद कर सकती है।

स्त्रे सनस्क्रीन के लाभ : स्त्रे सनस्क्रीन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे लगाना बहुत आसान होता है। जब आप बाहर हों या जल्दी में हों तो इसे चेहरे और शरीर पर आसानी से छिड़ककर लगाया जा सकता है। यह जल्दी सूख जाती है और चिपचिपाहट महसूस नहीं होती, जो इसे गर्मियों के लिए आदर्श बनाता है। यह आपके मेकअप को भी खराब नहीं करती और आसानी से त्वचा में समा जाती है।

क्रीम सनस्क्रीन के लाभ : क्रीम सनस्क्रीन भी अपने आप में खास होती है। यह गहराई तक त्वचा में समाती है और लंबे समय तक असरदार रहती है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहते हैं या स्विमिंग करते हैं तो क्रीम सनस्क्रीन अधिक प्रभावी हो सकती है। यह त्वचा को नमी प्रदान करती है और सूखने का डर नहीं रहता। इसके अलावा इसका असर लंबे समय तक बना रहता है, जिससे आपको अधिक सुरक्षा मिलती है।

स्त्रे बनाम क्रीम- क्या है अंतर? : स्त्रे और क्रीम सनस्क्रीन, दोनों ही सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव करती हैं। हालांकि, इनके फार्मूले अलग होते हैं। स्त्रे सनस्क्रीन में हल्का फॉर्मूला होता है, जो त्वचा पर जल्दी अवशोषित हो जाता है। वहीं क्रीम सनस्क्रीन का फॉर्मूला गाढ़ा होता है, जो त्वचा को गहराई तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा स्त्रे सनस्क्रीन जल्दी सूख जाती है, जबकि क्रीम सनस्क्रीन को सूखने में थोड़ा समय लगता है।

मौसम का रखें ध्यान : मौसम भी सनस्क्रीन चुनते समय अहम भूमिका निभाता है। गर्मियों में जब तापमान ज्यादा होता है और पसीना आता है तो स्प्रे सनस्क्रीन अधिक उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि इसे लगाना आसान होता है और यह जल्दी सूख जाती है। वहीं सर्दियों में जब हवा सूखी होती है और त्वचा को अधिक नमी की जरूरत होती है तो क्रीम सनस्क्रीन बेहतर विकल्प हो सकती है, क्योंकि यह त्वचा को गहराई तक नमी प्रदान करती है।

कीवी के सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है

कीवी एक स्वादिष्ट फल है। ये स्वाद में हल्का खट्टा और मीठा होता है। गर्मियों के मौसम में कीवी के सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है। इसमें कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो आपका वजन कम करने और पाचन तंत्र को सही रखने में मदद करते हैं। इस फल में कितनी मात्रा में पोषक तत्व होते हैं? कीवी का ड्रिंक कैसे तैयार कर सकते हैं। आइए जानें सबकुछ

कीवी फल में पोषक तत्व
कीवी फल में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। ये आरडीए के साथ और भी कई पोषक तत्व प्रदान करता है। 100 ग्राम कीवी फल में कितनी मात्रा में पोषक तत्व होते हैं आइए जानें।

कैलोरी- 61
फैट- 0.5
सोडियम- 3 मिलीग्राम
कार्बोहाइड्रेट- 15 ग्राम
शुगर- 9 ग्राम
फाइबर- 3 ग्राम
प्रोटीन- 1.1 ग्राम
वजन कम करने के लिए

कीवी औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन-सी, पोटाशियम और कैल्शियम होता है। इसमें फाइबर की मात्रा में अधिक होती है जो वजन कम करने में मदद करती है। इसके अलावा कीवी के



जूस में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-हाइपरटेंसिव के गुण हैं.

स्वस्थ पाचन तंत्र के लिए
कीवी का जूस पाचन तंत्र के लिए
हेल्दी होता है. ये पेट से जुड़ी समस्याओं
को दूर करता है. ये पेट में कब्ज बनने से
रोकता है. इसे आप नियमित रूप से अपनी
डाइट में शामिल कर सकते हैं.

कीवी का जूस इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है. इसमें विटामिन-सी पोषक तत्व होता है. ये डायबिटीज की समस्या और हृदय रोग के लिए फायदेमंद है. इसका सेवन करने से पहले एक बार डॉक्टर से जरूर सलाह लें. विटामिन-सी ऑक्सीजन बढ़ाने में मददगार होता है.

ब्लड प्रेशर के लिए
कीवी के जूस में मैग्नीशियम और
पोटैशियम होता है. ये ब्लड प्रेशर को कंट्रोल

करने में मदद करता है.

आंखों के लिए
स्क्रीन ज्यादा देखने से आंखों पर
काफी जोर पड़ता है. ऐसे में कीवी का
जूस पीना चाहिए. वैज्ञानिक अध्ययन के
अनुसार ये विजन लॉस की समस्या से बचा
जा सकता है.

कैसे करें कीवी का ड्रिंक तैयार
इसे बनाने के लिए आपको 2 कीवी,
1 खीरा और 1 चम्मच धनिया पाउडर का
जरूरत होगी. इसके बाद कीवी को
छीलकर टुकड़े कर लें. खीरे को छीलकर
काट लें. इसके बाद सारी चीजों को मिक्सर
में डालकर पेस्ट तैयार कर लें. इस पेस्ट में
जरूरत के हिसाब से पानी मिलाएं. इसके
बाद इसमें 1 चम्मच धनिया पाउडर
डालकर मिक्स कर लें. ऐसे आपका कीवी
ड्रिंक पीने के लिए तैयार हो जाएगा.

हेयर टाइप के हिसाब से चुनें सीरम, बाल दिखेंगे चमकदार

हम अपने बालों को स्वस्थ रखने के लिए तमाम उपाय करते हैं. खासकर गर्मियों के मौसम में बालों रूखे और बेजान नजर आते हैं. ऐसे में बालों को मॉश्चराइज रखने के लिए आप हेयर सीरम का इस्तेमाल कर सकती है. सीरम बालों के धूप की वजह से होने वाले नुकसान से बचाता है. बालों में सीरम लगाने से आपके बाल चमकदार और हेल्दी दिखते हैं.

महिलाओं को उनके हेयर टाइप के हिसाब से सीरम चुनना चाहिए. हेयर सीरम आपके बालों को चमकदार बनाने के साथ

ड्राइनेस और फ़िजीनेस को भी कम करता है. हेयर सीरम सिलिकॉन बेस्ड प्रोडक्ट होता है जो बालों को हानिकारक कैमिकल और पदार्थ से बचाता है. अगर आपके सूखे और फ़िजी हेयर हैं तो बालों में केस्टर, रोजवुड जैसे ऑयल का मिश्रण हो. आइए जानते हैं हेयर टाइप के हिसाब से कौन सा सीरम चुनना चाहिए.

जरूरत से ज्यादा सूखे बालों को अधिक पोषण की आवश्यकता होती है। अच्छी बात ये है कि आजकल ऐसे सीरम मौजूद है जिसे आप रातभर बालों में

लगाकर आराम से सो सकते हैं. इसके लिए आप ऑयल बेस्ड सीरम की जगह क्रीम बेस्ड सीरम लगा सकते हैं. ये बालों को माँश्रवाइज रखने में मदद करता है.

घुंघराले बाल बहुत ज्यादा उलझते हैं ऐसे में उनका खयाल रखना थोड़ा मुश्किल हो जाता है. घुघराले बालों के लिए सबसे अच्छे वो सीरम हैं जिसमें मॉश्चराइजेशन के गुण बहुत अधिक होते हैं. बालों को चमकदार रखने के लिए हाइड्रेटिंग तेल जैसे जोजोबा, आर्गन और बादाम के तेल के गुणों वाला सीरम लगाएं.

शब्द सामर्थ्य -053

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. टुड्डि पर के बाल, टुड़्डी, ठोढ़ी
3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5.
- इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6.
- शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7.
- सविनय, विनती पूर्वक 10.
- बिलख-बिलख कर रोना 11.
- कहानी, उपन्यास 12.
- कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13.
- भार, दबाव 14.

अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खें से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बुधस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2.
- मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5.

संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला, विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1			2		3		4	
		5						
6					7	8		9
				10				
	11					12		
13				14	14ए			
		15					16	
						17		18
	19				20			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 52 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ड़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दां		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

किरण अब्बावरम की पौराणिक फिल्म इंद्रपुत्र का ऐलान!

चेन्नई लव स्टोरी के बाद किरण अब्बावरम ने माइथोलॉजिकल एक्शन फैंटेसी फिल्म इंद्रपुत्र की घोषणा की है। श्रीकांत पुप्पाला के निर्देशन में बन रही यह फिल्म धर्म बनाम अधर्म पर आधारित एक नई दुनिया को पेश करेगी।

इंद्रपुत्र के साथ किरण अब्बावरम एक नए और बोल्ड जॉनर में कदम रख रहे हैं, जिसमें वे एक जटिल माइथोलॉजिकल किरदार निभाएंगे। वे इसे एक अनोखा प्रोजेक्ट मानते हैं और कहते हैं कि यह उनके सिनेमैटिक विज़न से मेल खाता है। इस रोल के लिए इमोशनल गहराई और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की ज़रूरत है, जो उन्हें उनकी पिछली रोमांटिक और यूथ-ओरिएंटेड फिल्मों से बिल्कुल अलग दिखाएगा।

इंद्रपुत्र श्रीकांत पुप्पाला के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी; वे इससे पहले कांतारान् ए लीजेंड - चैप्टर 1 में ऋषभ शेटी के साथ फर्स्ट असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। उनका कहना है कि भारतीय माइथोलॉजी को बड़े विजुअल स्केल पर पेश करना उनका लंबे समय से देखा गया सपना था। किरण की ईमानदारी और काम के प्रति उनका जुनून उन्हें इस एपिक फिल्म का लीड एक्टर बनने के लिए एकदम सही बनाता है।

इंद्रपुत्र की मुख्य शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। कास्ट और क़र्र की जानकारी जल्द ही सामने आएगी। किरण को आखिरी बार 24 जुलाई 2026 को रिलीज़ हुई फिल्म चेन्नई लव स्टोरी में श्री गौरी प्रिया के साथ देखा गया था। अब फैंस इस बड़े फैंटेसी प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

जी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोरा द्वारा निर्मित और कीर्तन और कुसुम अरोरा द्वारा सह-निर्मित, इंद्रपुत्र फिलहाल पूर्व-निर्माण चरण में है। इसकी शूटिंग अगले महीने अक्टूबर से शुरू होगी। मुख्य अभिनेता के रूप में अब्बावरम को चुना गया है, जिन्होंने 2019 में रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म राजा वारू रानी गारू से डेब्यू किया था। अन्य कलाकारों और तकनीकी दल का ऐलान आने वाले समय में किया जाएगा। फिल्म 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी, लेकिन तारीख का खुलासा होना बाकी है।

यामी गौतम की फिल्म नई नवेली का नया गाना भाभी तबाही रिलीज

म्यूजिक कंपोजर जीवी. प्रकाश कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म नई नवेली को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का नया गाना भाभी तबाही रिलीज कर दिया गया है। गाने में यामी गौतम धर फिल्म की लीड मोहिनी के किरदार में नजर आ रही हैं। गाने की खास बात इसका देसी अंदाज़ है, जिसमें भांगड़ा, रैप, क्लासिकल और हिप-हॉप जैसे अलग-अलग म्यूजिक स्टाइल को एक साथ जोड़ा गया है। प्रकाश कुमार का कहना है कि इस गाने को बनाते समय उनका मकसद कुछ ऐसा तैयार करना था, जिसमें खूब मस्ती हो और सुनते ही एनर्जी महसूस हो।

जी.वी. प्रकाश कुमार ने कहा, गाने को बनाते समय मैंने साउंड के साथ कई एक्सपेरिमेंट किए। गाने में देसी फ्लेवर रखा गया है, लेकिन साथ ही इसे फ्रेश और एनर्जेटिक बनाने पर भी ध्यान दिया गया। मेरी कोशिश थी कि गाना सुनने वालों को पहले से अनुमान लगाने का मौका न दे और इसकी धुनों में कुछ अलग महसूस हो।

उन्होंने कहा, गाने में गीतकार वायु के लिखे बोल शरारती अंदाज़ लेकर आते हैं, जबकि नीति मोहन की आवाज़ ने इसमें एक अलग पहचान जोड़ दी है। यामी गौतम ने भी अपने किरदार को अच्छी तरह समझा और उसी हिसाब से परफॉर्म किया। पूरे गाने में थोड़ी सी मस्ती है, जो इसे और मजेदार बनाता है। यह एक ऐसा गाना है, जिसे किसी फैमिली सेलिब्रेशन में बजाया जा सकता है।

बता दें कि भाभी तबाही को शादी के सेलिब्रेशन के बैकग्राउंड में फिल्माया गया है। वीडियो में यामी गौतम सेंटर स्टेज पर नजर आती हैं और इसी सेलिब्रेशन के बीच परिवार में उनकी खास एंट्री होती है। गाने में भांगड़ा, रैप, क्लासिकल और हिप-हॉप का मेल देखने को मिलता है।

गाने के कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने भी यामी की परफॉर्मेंस की तारीफ की। उन्होंने कहा, भाभी तबाही गाना मेरे लिए कोरियोग्राफ किए गए सबसे मजेदार गानों में से एक रहा। यामी फिल्म में मोहिनी का किरदार निभा रही हैं और इस किरदार की अपनी एक अलग पर्सनैलिटी है। मोहिनी एक ही बीट पर अपने एक्सप्रेशन और डांस स्टाइल बदल सकती है। इसलिए कोरियोग्राफी में भी वही कॉन्फिडेंस और थोड़ी शरारत रखने की कोशिश की गई।

विजय ने कहा, गाने का हिस्सा स्क्रिप्ट में पहले से ही काफी मजेदार तरीके से लिखा गया था, खासकर देवर-भाभी के बीच होने वाला आमना-सामना। इसी वजह से इसे कोरियोग्राफ करना मेरे लिए दिलचस्प रहा।

नई नवेली में यामी गौतम धर के साथ अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवर, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुष्मिता मुखर्जी, सोनल झा, सुनील सिन्हा, प्रतीक पचोरी, अक्षत सिंह, बबीता पांडे, अजय पाल और नीरज सिंह भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

फिल्म को आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने प्रोड्यूस किया है। इसका डायरेक्शन बालाजी मोहन ने किया है, जबकि कहानी और स्क्रीनप्ले हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। नई नवेली 16 अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तनीषा मुखर्जी की बड़े पर्दे पर वापसी, जिंदगी फिर भी खूबसूरत है में दिखेगा अनोखा सफर

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की अपकमिंग फिल्म जिंदगी फिर भी खूबसूरत है में नजर आएंगी। फिल्म में तनीषा ऐसा किरदार निभा रही हैं जो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। फिल्ममेकर कपिल ने तनीषा की तारीफ करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री की ज़रूरत थी जो कहानी में भावनाओं की गहराई और संवेदनशीलता ला सके। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने कहा, तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ है और इस किरदार के लिए यह बहुत ज़रूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि इस सफर को कोई पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ पर्दे पर उतारे।

कपिल ने आगे कहा, फिल्म जिंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए बेहद खास है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम जिंदगी में छिपी खूबसूरती के बारे में है। तनीषा ने अपने किरदार में एक खास तरह की संवेदनशीलता जोड़ी है, जो कहानी के लिए काफी अहम है।

जिंदगी फिर भी खूबसूरत है की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशन का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई के असली पारसी घरों और दादर पारसी कॉलोनी में की गई है।

फिल्म को पर्दे पर ज्यादा वास्तविक



दिखाने के लिए कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ मिलकर भी काम किया। इस दौरान उनकी संस्कृति, रहन-सहन, बोलचाल, तौर-तरीकों और डायलेक्ट को समझने पर खास ध्यान दिया गया, ताकि फिल्म में कम्युनिटी की जिंदगी को सही तरीके से दिखाया जा सके।

फिल्म की कहानी लिखने के साथ कपिल कौस्तुभ शर्मा ने इसे डायरेक्ट भी किया है। इसके अलावा, वह फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। कपिल फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसकी कहानी जिंदगी

के अलग-अलग पड़ावों को दिखाती है। किरदार के उम्रदराज हिस्से को पर्दे पर दिखाने के लिए उन्होंने लुक में फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है।

फिल्म में सुष्मिता मुखर्जी, परवीन दस्तूर, डेलनाज ईरानी, तनाज ईरानी, शाहरुख साइरस ईरानी, डॉली ठाकोर और अनन्या दत्ता जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है को पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सर्किट में ले जाने की तैयारी है। इसके बाद फिल्म को थिएटर्स में रिलीज किए जाने की उम्मीद है।

अंजलि अरोड़ा ने भक्ति को धर्म से ऊपर बताया!



अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा में माता सीता के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि भक्ति और ईसानियत का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। साथ ही, अभिनेत्री ने उन लोगों को भी आड़े हाथ लिया जो सनातन धर्म पर गर्व करने वालों को छोटा समझते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म की टीम में कई मुस्लिम

भी थे, जिन्होंने भगवान राम की कहानी पर बनी इस फिल्म में अपना योगदान दिया है। धार्मिक पहचान जाहिर करने पर लोगों को ट्रोल् किए जाने के सवाल पर अंजलि ने कहा कि सच्ची आस्था सिर्फ पूजा-पाठ में नहीं बल्कि आपके दूसरों के साथ बर्ताव में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसे लोग धर्म में तो यकीन रखते हैं लेकिन ईसानियत में नहीं। जो व्यक्ति भगवान में

विश्वास रखता है, वह हर धर्म में विश्वास रखता होगा। मैं हिंदू हूं, अगर मेरे सामने कोई मुस्लिम बैठा भी होगा, तो मैं उसे सामान्य इंसान की तरह देखूंगी।

महाकाव्य श्री रामायण कथा के सेट के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अंजलि ने याद किया कि क़र्र के कई सदस्य मुस्लिम थे और फिर भी उन्होंने फिल्म के भक्ति संगीत में अपना योगदान दिया।

उन्होंने कहा, हमारे सेट पर स्पॉट दादा, लाइट दादा, म्यूजिक डायरेक्टर समेत कई लोग मुस्लिम थे और अच्छे से काम करते थे। उन्होंने भगवान राम के गाने गाए और संगीत तैयार किया। किसी व्यक्ति का धर्म यह तय नहीं करता कि वह किसी प्रोजेक्ट में अपना योगदान दे सकता है या नहीं। बस उसके अंदर वह अनुशासन होना चाहिए, जो हमारे शास्त्र हमें सिखाते हैं।

बता दें कि, महाकाव्य श्री रामायण कथा में अंजलि ने माता सीता का किरदार निभाया है जबकि देव शर्मा भगवान राम के रोल में हैं। फिल्म में शील वर्मा लक्ष्मण, निर्भय वाधवा हनुमान और रजनीश दुग्गल रावण के किरदार में नजर आए हैं। अभिषेक सिंह द्वारा निर्देशित और प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 25 सितंबर को हिंदी और छत्तीसगढ़ी में रिलीज हुई थी।

पौड़ी में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

पौड़ी(आरएनएस)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस और अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। जिसमें छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों को मानसिक स्वास्थ्य, बालिकाओं के अधिकारों, संरक्षण, समानता व विधिक सहायता की जानकारीयां दी गईं। विकासखंड पौड़ी के राईका उज्याड़ी में जज व प्राधिकरण की सचिव नाजिश कलीम ने कहा कि बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसरों व आत्मनिर्भरता के लिए जागरूक करते हुए किसी भी प्रकार के भेदभाव, शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. आशीष गुसाईं ने छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और तनाव का उचित प्रबंधन करने के गुर बताए। अधिवक्ता गजेंद्र सिंह रावत ने बाल विवाह, बाल श्रम, लैंगिक भेदभाव व बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों से जुड़े कानून की जानकारीयां दीं। इस मौके पर भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। भाषण में दीपांशी प्रथम, कनिका द्वितीय और वर्किता तृतीय रहीं। चित्रकला के सीनियर वर्ग में सोनाक्षी ने पहला, शिवानी ने दूसरा जबकि जूनियर वर्ग में शिक्षा प्रथम, समर्थ द्वितीय और रोहित तृतीय रहे। इस मौके पर प्रधानाचार्य हरेंद्र सिंह, मनमोहन देवली आदि मौजूद रहे।

जिले की 12 चिकित्सा इकाइयों की व्यवस्था परखी

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की स्टेट रिव्यू मिशन टीम ने जिले में तीन दिवसीय निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय सहित 12 चिकित्सा इकाइयों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति परखी। निरीक्षण के बाद टीम ने जिलाधिकारी विशाल मिश्रा और मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत कर कमियों, उपलब्धियों और सुधार के बिंदुओं पर चर्चा की। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखंड की सहायक निदेशक डॉ. आकांक्षा निराला के नेतृत्व में टीम ने जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि व जखोली, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ, तिलवाड़ा, बैनोली व सतेराखाल और आयुष्मान आरोग्य मंदिर खांखरा, कंडारा, भीरी, चोपता व तुनेटा का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने आसपास के गांवों में घर-घर जाकर ग्रामीणों से भी संवाद किया और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता व उनके अनुभवों की जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल ने बताया कि निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में निर्धारित मानकों के अनुपालन की समीक्षा करना और कमियों को दूर करा है। टीम में डॉ. विकास पांडे, डॉ. अंकिता ढोंडियाल और सूरत सिंह तोमर शामिल रहे। जिला स्तर से अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी और सीपीएचसी समन्वयक विजय रावत भी मौजूद रहे।

अंदरूनी ‘उलझनो’ में कांग्रेस

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड में वर्ष 2०27 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज होने लगी हैं, लेकिन कांग्रेस के सामने सरकार को घेरने के साथ-साथ अपने भीतर के मतभेदों को संभालने की चुनौती भी खड़ी हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा को लेकर पार्टी नेतृत्व की आपत्ति ने संगठन के भीतर समन्वय और नेतृत्व की भूमिका पर नई बहस छेड़ दी। चुनाव से कुछ महीने पहले सामने आया यह विवाद कांग्रेस की उस रणनीति के लिए अहम है, जिसके तहत पार्टी भाजपा के सामने एकजुट विकल्प पेश करना चाहती है।

हरीश रावत की यात्रा को लेकर प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने सवाल उठाए थे। उनका तर्क था कि पार्टी के आधिकारिक कार्यक्रमों के बीच किसी अलग अभियान से संगठनात्मक तालमेल प्रभावित हो सकता है। यात्रा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल से चर्चा किए बिना आगे बढ़ाने पर भी आपत्ति जताई गई। दूसरी ओर, हरीश रावत ने अपने कार्यक्रम को जनसंपर्क और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करने की पहल बताया। इस घटनाक्रम ने पार्टी के भीतर व्यक्तिगत राजनीतिक पहलों और सामूहिक संगठनात्मक अनुशासन के बीच तनाव को सार्वजनिक कर दिया। हरीश रावत की यात्रा का विवाद महज एक कार्यक्रम को लेकर असहमति तक सीमित नहीं रहा। इसके साथ यह सवाल भी जुड़ गया कि चुनाव से पहले पार्टी के



◆ चुनाव की तैयारी के बीच नेतृत्व, यात्राओं और संगठनात्मक तालमेल पर सवाल ◆ भाजपा को घेरने से पहले अपनी के बीच समन्वय की चुनौती

वरिष्ठ नेताओं की राजनीतिक गतिविधियों का संचालन किस तरह होगा और प्रदेश में अभियान की दिशा कौन तय करेगा। यात्रा को लेकर हाईकमान की आपत्ति के बावजूद हरीश रावत ने जसपुर से हल्द्वानी तक अपना कार्यक्रम आगे बढ़ाया। इस दौरान पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता प्रीतम सिंह की मौजूदगी ने घटनाक्रम को अतिरिक्त राजनीतिक महत्व दिया। वहीं, प्रदेश कांग्रेस के दूसरे प्रमुख नेताओं की अनुपस्थिति ने पार्टी के भीतर अलग-अलग राजनीतिक प्राथमिकताओं को लेकर चर्चा को हवा दी। हालांकि, केवल किसी कार्यक्रम में मौजूदगी या गैरमौजूदगी से नेताओं के बीच मतभेदों की पूरी तस्वीर तय नहीं की जा सकती। कांग्रेस नेतृत्व के सामने अब दोहरी जिम्मेदारी है। एक ओर वरिष्ठ नेताओं की राजनीतिक सक्रियता और उनके समर्थकों की भूमिका को साथ लेकर चलना है, तो दूसरी ओर यह सुनिश्चित करना है कि चुनावी अभियान किसी एक नेता की पहल के बजाय साझा रणनीति के तहत आगे

बढ़े। राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से संकेत दिया गया है कि उत्तराखंड में पार्टी के अभियान सामूहिक रूप से चलाए जाने चाहिए। इस संदेश के पीछे संगठनात्मक एकजुटता और चुनावी तैयारियों में तालमेल बनाए रखने की जरूरत दिखाई देती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या निर्देश जारी करने भर से अलग-अलग नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं, कार्यशैली और प्राथमिकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो पाएगा? भाजपा जहां संगठन और बूथ स्तर पर अपनी चुनावी तैयारियों को गति देने में जुटी है, वहीं कांग्रेस के लिए सरकार के खिलाफ मुद्दों को एक साझा अभियान में बदलना जरूरी है। बेरोजगारी, भर्ती प्रक्रियाओं, पलायन, ग्रामीण सुविधाओं और भ्रष्टाचार से जुड़े सवालों पर विपक्ष सरकार को घेरता रहा है। इन मुद्दों को प्रदेशव्यापी राजनीतिक अभियान का रूप देने के लिए नेताओं के बीच स्पष्ट जिम्मेदारी और तालमेल की जरूरत होगी।

कांग्रेस की चुनौती यह भी है कि सरकार के खिलाफ जन असंतोष को राजनीतिक समर्थन में बदलने के लिए उसे केवल आरोपों तक सीमित नहीं रहना होगा। जनता के सामने वैकल्पिक नीतियों, रोजगार और विकास को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण रखना भी जरूरी होगा। यदि पार्टी का सार्वजनिक विमर्श बार-बार आंतरिक विवादों की ओर लौटता है, तो उसके मुद्दों और संगठनात्मक संदेश को पर्याप्त जगह मिलना कठिन हो सकता है।

बहाने बनाकर कार्य लटकाने वालों अफसरों पर होगी कार्रवाई : किशोर उपाध्याय

नई टिहरी (आरएनएस)। टिहरी विधानसभा क्षेत्र में लंबित सड़कों की समीक्षा बैठक लेते हुए टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने लोनिवि के अधिकारियों को मामलों के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बहाने बनाकर कार्य लटकाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय सभागार में टिहरी विधायक उपाध्याय ने टिहरी विधानसभा क्षेत्र में स्वीकृत और निर्माणाधीन सड़कों की समीक्षा लेते हुए लोनिवि के अधिकारियों को वन भूमि हस्तांतरण, प्रतिकर भुगतान आदि समस्याओं को दूर कर सड़कों का निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। लोनिवि के अधीक्षण अभियंता केएस नेगी ने डंडासली गांव के लिए सड़क निर्माण, भोनाबागी- चवालखेत सड़क के अंतिम भाग का चौड़ीकरण, चंबा बाइपास मार्ग का डामरीकरण, भेटुड़ी-चंबा का नव निर्माण, बुडोगी मिसिंग लिंक, चंबा-अंधियार गढ़ी सड़क, सुरसिंगधार-ग्वाड़-पस्सी आदि सड़कों के बारे में बताया। प्रांतीय खंड बौराड़ी के अधीन कफलना से अंद्रेठी, पिपोला-भटकंडा सड़क नव निर्माण कार्य को प्राथमिकता से करने को कहा। विधायक ने नई टिहरी-छमुंड, जाख-जसपुर-कुट्टा, कौंड-डिबनू हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज मिसिंग लिंक मार्ग के अथूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए। नई टिहरी नगर क्षेत्र में लोनिवि के अधीन सड़कों को शीघ्र ठीक करने को कहा। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष चंबा शोभनी धनोला, लोनिवि के ईई राजेंद्र टम्टा, रविंद्र सिंह, सभासद विजय कठैत, जगदंबा रतूड़ी आदि थे।

हरिद्वार की सभी सीटों पर जीत का लक्ष्य, बांसुरी स्वराज ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

हरिद्वार(आरएनएस)। भाजपा की प्रदेश सह-प्रभारी और नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर 2०27 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हरिद्वार गंगा की नगरी और उत्तराखंड का द्वार है। जिले की सभी सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ता घर-घर और बूथ स्तर पर सरकार की उपलब्धियां पहुंचाएं। मारुति वाटिका, जगजीतपुर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने की। मुख्य वक्ता बांसुरी स्वराज ने कहा कि उनकी माता स्व. सुषमा स्वराज का उत्तराखंड से विशेष लगाव था। पार्टी ने उन्हें भी प्रदेश की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा

कि कांग्रेस के भ्रम का जवाब संगठन की ताकत और सरकार के कामों से दिया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ताओं के दम पर प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाएगी। जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि बैठक से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। सभी कार्यकर्ता बूथ मजबूत करने और सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में जुटेंगे। उन्होंने नकल विरोधी कानून, समान नागरिक संहिता (यूसीसी), युवाओं को रोजगार और खिलाड़ियों के लिए पेंशन योजना को सरकार की उपलब्धियां बताया। कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने मेडिकल कॉलेज, सड़कों और किसानों के हित में काम किया है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने बूथ मजबूत करने को

जीत का मंत्र बताया। बैठक में डॉ. जयपाल चौहान, मेयर किरन जैसल, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, पूर्व मेयर मनोज गर्ग, दीपक धमीजा, आदित्य चौहान, विकास तिवारी, सुशील चौहान, संजीव चौधरी, हीरा सिंह बिष्ट, लव शर्मा, निपेंद्र, चौधरी आशु, चौधरी तरुण नैय्यर, सीमा चौहान, संदीप अग्रवाल, हरजीत सिंह, रेशु चौहान, रितु ठाकुर, धर्मेन्द्र चौहान, नकली राम सैनी, अरविंद कुशवाहा, रजनी वर्मा, हरित सैनी, पारुल चौहान, चित्र कुमार सैनी, विपिन शर्मा, तेलूराम चनरिया, जसवीर बसेड़ा, अभिनव चौहान, रेनू शर्मा, प्रमोद शर्मा, राकेश सैनी, सुशील पवार, विवेक चौहान, जितेंद्र चौधरी, राजवीर सिंह कश्यप, डॉ. प्रदीप चौधरी, राव जमीर और एजाज हसन सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.053									
	2			6			1		
3			4				2		
							6		
6					4				
	9		5				6		1
4		3			9				2
	8		2				7		
1		2		4		9			6
नियम		सू-दोकू क्र.52 का हल							
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है। 3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।		8	7	6	9	5	1	2	3
		1	3	9	2	8	4	5	6
		4	5	2	3	7	6	9	1
		2	8	5	4	6	7	1	9
		3	1	7	8	9	2	4	5
		6	9	4	1	3	5	7	8
		9	4	1	6	2	8	3	7
		7	2	8	5	1	3	6	4
		5	6	3	7	4	9	8	2



बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट के लिए मार्च निकालते कांग्रेस व इण्डिया ब्लॉक के लोग।

चेन सैचिंग में चार गिरफ्तार!

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चेन सैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी चेन बरामद कर ली। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार अरविंद सिंह पुत्र बृजमोहन निवासी पटेल नगर, देहरादून द्वारा कोतवाली पटेलनगर पर तहरीर दी कि व्यक्तियों द्वारा उसके भाई को स्कूटी से एकांत स्थान पर ले जाकर उसके साथ मारपीट करते हुए उससे सोने की चेन तथा मोबाइल फोन छीन लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल व उसके आसपास आने जाने वाले मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों को खुगाला गया साथ ही सुरागरसी/पतारसी



करते हुए स्थानीय तंत्र को सक्रिय किया गया, इसके अतिरिक्त संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश हेतु संपूर्ण थाना क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयासों के दौरान

पुलिस टीम द्वारा आईएसबीटी क्षेत्र में चेकिंग के दौरान दो अलग-अलग स्कूटी पर सवार चार संदिग्ध युवकों को चेकिंग हेतु रोककर पूछताछ की गई तो उनके द्वारा अपना नाम हन्ना पुत्र फुरकान, अभिषेक पुत्र अमित, आरिफ पुत्र शाहिद, समीर पुत्र रईस बताया। उक्त व्यक्तियों की तलाशी लेने पर उनके पास से टूटी हुई सोने की चौन, नगदी व मोबाइल बरामद हुई। बरामद सामान के संबंध में सख्ती से पूछताछ करने पर उक्त व्यक्तियों द्वारा उक्त चेन व मोबाइल को गंगा सप्लायर के पास से एक व्यक्ति से छीनना बताया गया, जिस पर सभी को मौके से गिरफ्तार करते हुए घटना में प्रयुक्त की स्कूटी को सीज किया गया। पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि वे सभी नशे के आदी हैं तथा नशे की लत को पूरा करने के लिए उनके द्वारा पटेलनगर क्षेत्र में एक व्यक्ति, जो नशे की हालत में प्रतीत हो रहा था, को एकांत स्थान पर ले जाकर उसके साथ मारपीट कर उसकी चेन व मोबाइल छीन लिया, और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने सभी को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के साथ मां बेटी सहित चार गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मां बेटी सहित चार लोगों को शराब के साथ गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने कुएं वाली गली में दो महिलाओं को संदिग्ध अवस्था में देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खड़ी हुई। पुलिस ने पीछा कर उनको थोड़ी दूरी पर ही पकड़ लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने दो के कब्जे से 53 पक्के शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मीरा देवी पत्नी लक्ष्मण व दीपा पुत्री लक्ष्मण निवासी वनखण्डी बताया। वहीं नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने मोहकमपुर मौसम विभाग के गेट के सामने से एक को 52 पक्के शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम शुभम मौर्य पुत्र विजय मौर्य निवासी गढवाली कालोनी रायपुर बताया। इसके साथ ही रायवाला थाना पुलिस ने खैरी खुर्द के पास एक स्कूटी सवार को 51 पक्के शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम विष्णु पुत्र रामचन्द्र निवासी खैरी खुर्द बताया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

‘चुनावी मोर्चे’ पर भाजपा..

◀ पृष्ठ 2 का शेष

फिलहाल काशीपुर की कार्यशाला के जरिए भाजपा का संदेश स्पष्ट है कि 2027 की चुनावी लड़ाई में संगठन को अंतिम समय के बजाय पहले से तैयार रखना है। राष्ट्रीय महामंत्री संगठन और प्रदेश प्रभारी का मार्गदर्शन इस तैयारी को दिशा देने में अहम हो सकता है। अब निगाह इस बात पर रहेगी कि प्रशिक्षण से निकली रणनीति विधानसभा क्षेत्रों में कितनी प्रभावी साबित होती है और भाजपा का हैट्रिक का लक्ष्य जमीनी स्तर पर कितना मजबूत बन पाता है।

तटरक्षक बल एवं एचएमआई ने किया ‘माउंट मुकुट ईस्ट’ का सफल आरोहण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में भारतीय तटरक्षक बल एवं हिमालयन माउंटैनियरिंग इंस्टीट्यूट (एचएमआई), दार्जिलिंग के संयुक्त पर्वतारोहण अभियान दल का फ्लैग-इन किया।

एचएमआई के प्राचार्य कर्नल रजनीश जोशी के नेतृत्व में संयुक्त दल ने 7,045 मीटर ऊंचे माउंट मुकुट ईस्ट का सफल आरोहण कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह भारतीय तटरक्षक बल के इतिहास में 7,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली किसी पर्वत चोटी का पहला सफल आरोहण है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए अभियान दल के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हिमालय की दुर्गम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इस प्रकार की सफलता पर्वतारोहियों के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प, अनुशासन और टीम भावना का परिचायक है। यह उपलब्धि भारतीय तटरक्षक बल के साथ ही पूरे देश के लिए गौरव का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान साहस, शौर्य और समृद्ध पर्वतारोहण परंपरा से जुड़ी रही है। इस अभियान को उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षों को समर्पित किया जाना विशेष महत्व रखता है। अभियान दल द्वारा माउंट मुकुट ईस्ट के शिखर पर 2,500 वर्ग फुट का विशाल उत्तराखंड ध्वज फहराया जाना प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि



मुख्यमंत्री धामी ने पर्वतारोहण दल को दी बधाई

राज्य की गौरवशाली यात्रा और हिमालय के साथ उसके गहरे जुड़ाव को भी प्रदर्शित करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में साहसिक पर्यटन और पर्वतारोहण की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार साहसिक पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं को पर्वतारोहण और अन्य साहसिक खेलों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस प्रकार के अभियान युवाओं को कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर एचएमआई, दार्जिलिंग के प्राचार्य एवं अभियान दल के नेतृत्वकर्ता कर्नल रजनीश जोशी ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय तटरक्षक बल वर्ष 2027 में अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। स्वर्ण जयंती के अवसर पर प्रस्तावित माउंट एवरेस्ट अभियान की तैयारियों के अंतर्गत यह पर्वतारोहण अभियान आयोजित किया गया। इसके लिए पर्वतारोहियों के चयन एवं प्रशिक्षण की जिम्मेदारी हिमालयन माउंटैनियरिंग इंस्टीट्यूट, दार्जिलिंग को सौंपी गई है।

कर्नल जोशी ने बताया कि 15 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 तक संचालित अभियान के अंतर्गत संयुक्त दल ने माउंट मुकुट ईस्ट का सफल आरोहण किया। इस अभियान को उत्तराखंड के 25 गौरवशाली वर्षों को समर्पित करते हुए शिखर पर 2,500 वर्ग फुट का विशाल ध्वज फहराया गया। उन्होंने बताया कि माउंट एवरेस्ट अभियान की तैयारियों के क्रम में दल द्वारा इससे पूर्व सिक्किम हिमालय में माउंट बी.सी. रॉय और माउंट थिंचेनखांग का भी सफल आरोहण किया जा चुका है। इन अभियानों से पर्वतारोहियों को उच्च हिमालयी परिस्थितियों में अनुकूलन, तकनीकी दक्षता और सामूहिक समन्वय का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर भारतीय तटरक्षक बल के अपर महानिदेशक आनंद प्रकाश बडोला, उप महानिरीक्षक हिमांशु नौटियाल, उप महानिरीक्षक डी.एस. चौहान, कमांडेंट अमित उनियाल, कमांडेंट विश्वजीत सिंह, एचएमआई के पासांग तेनजिंग शेरपा सहित अभियान दल के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार छिदरवाला निवासी ऋतिका रावत ने डोईवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता चन्दर वीर सिंह रावत अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रहे थे जब वह लच्छीवाला फ्लाईओवर पर पहुंचे तभी अज्ञात वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनको स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगतसिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रॉवर्स एवं रेंजर्स और एन0एस0एस0 के छात्र छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया गया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि हमें मानसिक तनाव पर खुलकर बात करनी चाहिए अगर कोई दिक्कत है तो हमें डॉ से बात करें। नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन तथा सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो0दीपा वर्मा ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। आज की प्रतिस्पर्धात्मक जीवनशैली, शैक्षणिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाओं के कारण विद्यार्थियों में तनाव एवं चिंता

की समस्याएँ बढ़ सकती हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी भावनाओं को समझना, परिवार एवं मित्रों से संवाद करना, पर्याप्त नींद लेना, नियमित व्यायाम करना तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ की सहायता लेना आवश्यक है। प्रो0दीपा वर्मा मैडम ने समस्त छात्र छात्राओं को योग के माध्यम से उन्हें स्ट्रेस दूर करने के तरीकों से अवगत कराया। प्रो0 दीपा वर्मा के द्वारा विभिन्न गतिविधियों में छात्र छात्राओं के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकों को भी शामिल किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य अवधेश नारायण जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शारिरिक स्वास्थ्य के साथ साथ हमें मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया गया कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को छिपाने के बजाय उनके बारे में खुलकर बात करनी चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे व्यक्तियों के प्रति

संवेदनशीलता एवं सहयोग का भाव रखना भी हम सभी की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, सकारात्मक सोच और आपसी सहयोग से एक स्वस्थ एवं संवेदनशील समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रो0सर्वजीत यादव, डॉ सुमन कुमार, डॉ प्रद्युम्न रिछारिया, डॉ बसुन्धरा उपाध्याय, डॉ विकार खान, डॉ दुर्गेश शुक्ला, डॉ अमिता चौरसिया, डॉ पवन कुमार झा, डॉ अनीता, डॉ स्निग्धा, डॉ शिल्पी, डॉ ओमप्रकाश, प्रो0पूतम रैतेला, डॉ दिशा, प्रो0दीपा गोबाड़ी, डॉ आरती, डॉ सुमन, नीलम, पूजा एवं छात्र छात्राओं में अजय, कुलदीप, संगीता, अरबाब, मुस्कान, प्रेम, आदर्श कुमार, हरिओम, देव, कमलेश, प्रियंका, कशिश, मुस्कान, निशा, अंजली, संजना आदि ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0दीपा वर्मा के द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री धामी ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ हरकी पैड़ी पर किया गंगा पूजन एवं आरती



संवाददाता
देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर पूजा-अर्चना एवं आरती कर मुख्यमंत्री ने माँ गंगा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार प्रमुख के रूप में 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हरिद्वार स्थित हरकी पैड़ी पर मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ माँ गंगा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती की। मुख्यमंत्री ने माँ गंगा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन

के साथ ही देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं निरंतर प्रगति की कामना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण किया है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने माँ गंगा का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए राष्ट्र की उन्नति, जनकल्याण और विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में आयोजित प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक से

पूर्व कैबिनेट मंत्रियों के साथ गंगा पूजन एवं आरती में प्रतिभाग किया। हरिद्वार में गंगा तट पर स्थित मेला नियंत्रण भवन में प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की जा रही है। धर्मनगरी हरिद्वार में गंगा किनारे मंत्रिमंडल की बैठक का आयोजन प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कैबिनेट बैठकें आयोजित करने की राज्य सरकार की पहल को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा शासन को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के और अधिक निकट लाने तथा स्थानीय विकास एवं जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से जनपदों में मंत्रिमंडल की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इससे पूर्व चम्पावत जनपद के बनबसा में भी मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें राज्यहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मंत्रिमंडल की बैठकों के आयोजन से क्षेत्रीय आवश्यकताओं और स्थानीय विकास से जुड़े विषयों को शासन स्तर पर प्राथमिकता देने के साथ ही जनहित से जुड़े निर्णयों को गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

इंडिया गठबंधन से मिलने में सीजेआई का इनकार

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने इंडिया गठबंधन के नेताओं से मुलाकात के अनुरोध पर अपनी असमर्थता जताई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं मिलने में अपनी असमर्थता व्यक्त कर चुका हूँ। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।



मीडिया में प्रसारित जानकारी के अनुसार, इंडिया गठबंधन के नेताओं ने मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात का अनुरोध किया था। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि वह पहले ही अपनी असमर्थता व्यक्त कर चुके हैं। हालांकि, मुलाकात का अनुरोध किन परिस्थितियों में किया गया था और उसका विस्तृत उद्देश्य क्या था, इस संबंध में उपलब्ध जानकारी में पूरी स्पष्टता नहीं है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब दिल्ली में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन और विपक्ष की राजनीतिक गतिविधियों को लेकर माहौल गर्म है। विपक्षी दलों की ओर से लोकतांत्रिक अधिकारों और संस्थागत जवाबदेही से जुड़े मुद्दे उठाए जा रहे हैं। ऐसे में मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी को राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हालांकि, सीजेआई के बयान को मुलाकात के अनुरोध पर उनकी असमर्थता के रूप में ही देखा जाना चाहिए। इसे किसी मामले में न्यायपालिका के रुख या विपक्ष की मांगों पर निर्णय के तौर पर प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। सीजेआई की इस टिप्पणी के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इंडिया गठबंधन के नेता आगे क्या रुख अपनाते हैं और इस घटनाक्रम पर राजनीतिक दलों की ओर से क्या प्रतिक्रिया सामने आती है।

◆मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत बोले-मैं अपनी असमर्थता जता चुका हूँ
◆जंतर-मंतर पर प्रदर्शन व न्यायपालिका की भूमिका को लेकर हलचल

मोती बाजार स्थित एक कॉम्प्लेक्स में लगी आग!

हमारे संवाददाता
देहरादून। मोती बाजार स्थित रेवती काम्प्लेक्स में आग लगने से ड्रेस और फर्नीचर का सामान जल गया। आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। जानकारी के अनुसार, आग रेवती काम्प्लेक्स में स्थित बाला जी ड्रेस इम्पोर्टियम में लगी। देखते ही देखते आग पहली मंजिल पर स्थित फर्नीचर की दुकान तक पहुंच गई, जिससे वहां भी कुछ सामान जल गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाने में जुटी रही। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। नुकसान का आकलन आग बुझने के बाद किया जा सकेगा।



नशेड़ी युवक ने किया मां-बाप पर जानलेवा हमला!

हमारे संवाददाता
चमोली। कर्णप्रयाग कोतवाली क्षेत्र के बगोली गांव में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां पारिवारिक विवाद और नशे की हालत में एक बेटे ने अपने ही माता-पिता पर धरदार ब्लेड से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच बचाव के दौरान आरोपी ने दोनों के साथ बेरहमी से मारपीट भी की।



घायल पिता विक्रम सिंह ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उनका बेटा मनोज सिंह 11 अक्टूबर को नशे की हालत में घर पहुंचा और गुस्से में आकर

माता-पिता पर ताबड़तोड़ ब्लेड से वार करने लगा।

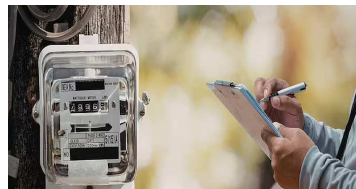
हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, किसी तरह उन्होंने अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही कर्णप्रयाग पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। थानाध्यक्ष विनोद

थपलियाल ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी मनोज सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मारपीट और गैर इरादतन हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच उप निरीक्षक वीरपाल सिंह को सौंपी गई है। जांच अधिकारी ने बताया कि घायलों का मेडिकल करा दिया गया है और गांव में गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने नशे की हालत में इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

विद्युत विभाग ने पकड़ी बड़ी बिजली चोरी, 108 मामलों में की कार्रवाई

संवाददाता
नैनीताल। बनभूलपुरा क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ विद्युत विभाग ने आज सुबह पांच बजे से व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। किदवई नगर, इंदिरा नगर, गांधी नगर, नई बस्ती और आजाद नगर समेत चिह्नित इलाकों में सात टीमों ने एक साथ निरीक्षण किया। विभाग के अनुसार, जांच के दौरान कथित तौर पर कटिया डालकर बिजली का इस्तेमाल करने और मीटरों से छेड़छाड़ के मामले सामने आए। अभियान के तहत करीब 108 मामलों में एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। संबंधित मीटरों को सीज किया गया है और मामलों में बनभूलपुरा कोतवाली में

कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कुमाऊं जोन के मुख्य अभियंता शेखर त्रिपाठी ने बताया कि विद्युत विभाग पिछले एक महीने से अधिक लाइन लॉस वाले क्षेत्रों का अध्ययन कर रहा था। जांच के दौरान बनभूलपुरा क्षेत्र के कुछ फीडों पर लाइन लॉस 50 से 55 प्रतिशत तक पाया गया। इसके बाद बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक चेकिंग अभियान की योजना बनाई गई। अभियान में अधिशासी अभियंता, एसडीओ, आई और जेई के साथ विभागीय विजिलेंस तथा पुलिस की टीम शामिल रहें। अधि कारियों के मुताबिक, अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। विद्युत विभाग ने बिजली चोरी रोकने के लिए क्षेत्र में कई



बदलाव करने की तैयारी की है। इसके तहत घरों के अंदर लगे बिजली मीटरों को बाहर शिफ्ट किया जाएगा और सामान्य केबल की जगह आर्मर्ड केबल लगाने की योजना है। इसके अलावा क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम भी शुरू किया जाएगा। विभाग का कहना है कि इन कदमों से बिजली चोरी पर नियंत्रण रखने और लाइन लॉस कम करने में मदद मिलेगी। मुख्य अभियंता शेखर त्रिपाठी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य बिजली

चोरी रोकना और नियमित रूप से बिजली बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि बिजली कनेक्शन दिलाने या बिल जमा कराने के नाम पर यदि कोई व्यक्ति पैसे मांगता है, तो इसकी शिकायत पुलिस से करें। निरीक्षण के दौरान विभागीय कर्मचारियों से जुड़ी कुछ शिकायतें भी सामने आई हैं। इन मामलों की जांच के बाद आवश्यक विभागीय कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारी रवि कुमार राजोरा, अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार, बनभूलपुरा कोतवाली प्रभारी दिनेश फर्त्याल, विभागीय विजिलेंस टीम और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।